gedly imported them into India after re-invoicing and mis-declaring them. These machines were, thereafter, sold to M's. Philips India, who, in turn sold them to Citi Bank and Hongkong Bank.

Income Tax Exemption on Donations to Noon Meal Scheme in Tamil Nadu

1800. SHRI M. VINCENT: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether Government are considering to give income tax exemption on donations given to Government for Nutritions Noon Meal Scheme in Tamil Nadu;

(b) if so, what are the details in this regard; and

(c) if not, whether Government propose to give necessary grants for the said scheme to compensate the loss of donations because of non-exemption from income tax?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI RAMESHWAR THAKUR): (a) to (c) A deduction in the hands of donor, at the rate of 50 per cent in respect of donations made, interalia, to theGovernment to be utilised for any charitable purpose (other than the purpose of promoting family planning which enjoys 100 per cent deduction) is already provided for in section 80G of the Income-tax Act 1961, subject to the specified limits and conditions. The nutritious noon meal scheme is covered by the expression "Charitable Purpose".

1801 [Transferred to the 19th December, 1991.]

Pherwani Committee's Recommendation

1802. SHRI DHULESHWAR MEENA-Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether the Pherwani Committee has recommended the setting up of a permanent Financial Instruments Review Committee (FIRC) to critically examine new features of emerging investment instruments to ensure that existing standards on accounting, taxation or Jaws are not violated and that investors' interests are protected; and

(b) if so, what is Government's reaction thereto and what guidelines relating to valuation and new instruments have been formulated?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI RAMESHWAR THAKUR): (a) A "Study Group constituted by this Ministry in March 1991 under the Chairmanship of Shri M. J. Pherwani has made, such a recommenda-. tion.

(b) It is too early to indicate the views and formulate guidelines since decision on the recommendation has not yet been taken.

भारतीय रिजर्व बैंक में टंककों (टाइपिस्टों) की नियुक्ति

1803. श्री जगदीश प्रसाद माथुर : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भारतीय रिजर्व बैंक की दिल्ली शाखा ने जुलाई, 1989 में 30 टंककों के पदों की भर्ती के लिए विज्ञापन दिया था और सितम्बर, 1990 में आयोजित की गई एक लिखित परीक्षा तथा साक्षात्कार के आधार पर चयनित उम्मीदवारों की एक सूची तैयार की थी ;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है ;

(ग) अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों तथा सामान्य श्रेणी के कितने-कितने उम्मीदवारों को अब तक नियुक्ति प्रदान की गई है और शेष उम्मीदवारों को अब तक नियुक्ति प्रदान कर दिये जाने की सम्भावना है ;

(घ) चयनित उम्मीदवारों को नियुक्ति दिये जाने में विलम्ब के क्या कारण हैं ; और

(ङ) भारतीय रिजर्व बैंक की दिल्ली शाखा में टंककों को लिपिकीय पदों में परिवर्तित किए जाने में विलम्ब के क्या कारण हैं और इन पदों को कब तक परिवर्तित कर दिया जायेगा ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री इसबीर सिंह) : (क) और (ख) भारतीय रिजर्व बैंक के केन्द्रीय कार्यालय ने सूचित किया है कि भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली ने 1 अगस्त, 1989 को दो वर्ष को अनुमानित रिक्ति सहित टंककों के 30 रिक्त पदों को विज्ञापित किया था। लिखित परीक्षा, स्किल टेस्ट और साक्षात्कार के आधार पर सितम्बर, 1990 में 28 चुने हुए अभ्यर्थियों की प्रतीक्षा सूची तैयार की गई थी ?

(ग) अभी तक कोई नहीं।

(घ) भारतीय रिजर्व बैंक ने सूचित किया है कि नियुक्तियां प्रतीक्षा सूची में से की जाएगी बशर्ते कि, स्पष्ट रिक्तियां उपलब्ध हों।

(ङ) भारतीय रिजर्व बैंक ने कहा है कि परिवर्तन की अनुमति लिपिक/कायन-नोट परीक्षक ग्रेड II संवर्ग में स्पष्ट रिक्तियां उपलब्ध होने और समग्र कार्यभार आदि जैसे संबंधित घटकों के आधारों पर ही दी जा सकती है। जैसे ही नई दिल्ली के कार्यालय में लिपिक/कायन नोट परीक्षक, ग्रेड-II की स्पष्ट रिक्तियां होंगी, अहताप्राप्त टंककों को परिवर्तन की अनुमति दी जाएगी। तथापि, इस समय कोई समय सीमा नहीं दी जा सकती है।

देश में मुद्रा का प्रसार

1804. **श्री रामजेठमलानी :**
श्री रणजीत सिंह :

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पिछले कुछ वर्षों से देश में मुद्रा के प्रसार में निरंतर वृद्धि हो रही है ;

(ख) यदि हां, तो वर्ष 1980-81, 1985-86 और 1990-91 की समाप्ति पर देश में कुल कितनी मुद्रा प्रचलन में थी ; और

(ग) किन कारणों से देश में मुद्रा प्रसार में निरंतर ऐसी वृद्धि करना आवश्यक हो गया है ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री इसबीर सिंह) : (क) जी, हां।

(ख) सूचना नीचे दी गई है :—

परिचालन में मुद्रा (31 मार्च की स्थिति के अनुसार)	करोड़ रुपये
1980-81	14,307
1985-86	26,525
1990-91	55,268

(ग) आय वृद्धि तथा मुद्रास्फीति सामान्यतः मांग को प्रभावित करने वाले दो महत्वपूर्ण अवयव हैं। इन सामान्य कारकों के अतिरिक्त तीसरे क्षेत्रों से उत्पन्न आय में हुई तीव्र वृद्धि, जनता को अधिक मुद्रा रखने के लिए प्राथमिकता देने वाली प्रवृत्ति को बढ़ावा दे सकती है।

Reserve Bank of India Relaxation on Import proposals

1805. SHRI SYED SIBTEY, RAZI: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether Reserve Bank of India has further relaxed cut-off limits for clearance of import proposals;

(b) if so, give details thereof with background for such steps;

(c) whether such relaxation is applicable on all items of import; and